TIMES CITY
The Times of India, New Delhi
Friday, April 28, 2006

DCE's full-Fledged car @ Rs 1 lakh

Hybrid Vehicle Has Central Steering, May Be On Road In 1 Yr

TIMES NEWS NETWORK

New Delhi: It's noiseless four-wheeler, has a one-switch conversion mechanism from petrol to battery, costs Rs 1 lakh and is safer than any of the two or three-wheelers currently in the market.

Sounds like a dream? Well, The Fledge is as real as it gets. Designed by a team of seven students of the Delhi College of Engineering (DCE), this hybrid car, which was flagged off by chief minister Sheila Dikshit on Thursday, is all set to compete in the Annual Green Car Festival, to be organised next month by the Northeast Sustainable Energy Association of USA. It is a one-seater at present, as per the rules of the competition but with DCE's tie-up with Mahindra and Mahindra for commercial production of the vehicle, the commercial model will seat two people.

WONDER CAR: Chief minister Sheila Dikshit launches The Fledge on Thursday.

S Maji, head of the departments of mechanical engineering and production in DCE, said: "What makes this car very safe despite its small size is the central steering. It is so noiseless that even if it starts right behind where you are standing, you will not know. Initial talks with Mahindra seem to suggest the car could be made available commercially for Rs 1.1 lakh and with the design ready, it should not take more than a year for the first cars to hit the market."

Power transmission in The Fledge occurs through the powerful 18 bhp 346 cc engine and through the 200 ah lead acid battery and the user can switch to either mode at any point of the journey. In urban driving conditions, the vehicle is zero-emission, making it the ideal car for the future.

DCE principal P B Sharma said: "The car can run 100 km on the battery and the fuel tank has a capacity of 13 litres. A simple switch in front of the driver can be used for conversion from one mode to the other. We are looking at a future when battery cars will be the norm and petrol pumps will have the facility for changing batteries the way they refuel the tank now."

In petrol mode, the mileage is a whopping 25 kilometres per litre and the battery can be charged overnight.

This is not DCE's maiden foray into the world of automobiles. The college had earlier designed a formula students' car, a super mileage vehicle that ran 150 km for every litre of petrol and was an all-terrain vehicle.

28th April, 2006 Dainik Jagran

सड़कों पर जल्द दौड़ेगी पेट्रोल व बैटरी से चलने वाली कार!

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

जल्द ही एक ऐसी कार की कल्पना साकार होने वाली है, जिसमें न तो पेट्रोल डलवाने का झंझट होगा और न ही उससे प्रदूषण होने की फिक्र। दरअसल, दिल्ली कालेज ऑफ इंजीनियरिंग के छात्रों ने ऐसी कार तैयार की है जो बैटरी या पेट्रोल, दोनों में से किसी से भी चल सकती है। यह कार जल्द ही न्यूयॉर्क स्टेट में आयोजित हो रही प्रतियोगिता 'ट्वर्ड्स टूर द सोल' के लिए रवाना की जा रही है। बृहस्पतिवार को मुख्यमंत्री शीला दीक्षित के निवास पर इस 'हाई ब्रिड' कार को 'फ्लैग-ऑफ' किया गया।

- न्यूयॉर्क में आयोजित प्रतियोगिता में भी शामिल की जाएगी कार
- जनता को एक लाख रुपये में कार उपलब्ध कराने की कोशिश होगी
- कार में लगी बैटरी एक बार में एक सौ किमी तक चलती है

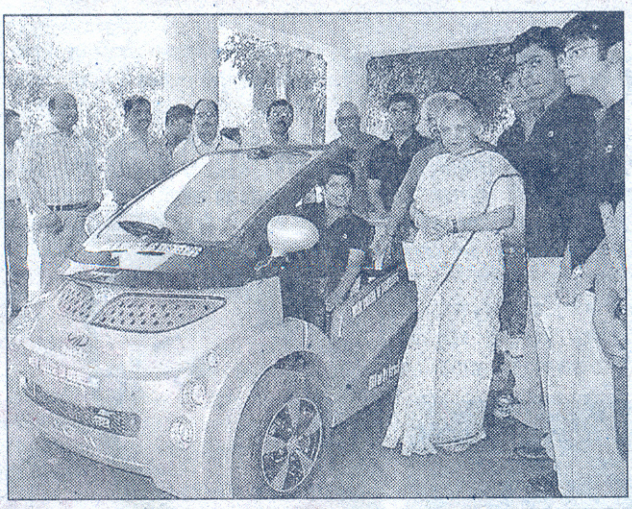

■ दिल्ली कालेज ऑफ इंजीनियरिंग के छात्रों द्वारा तैयार हाईब्रिड कार का अवलोकन करतीं मुख्यमंत्री शीला दीक्षित। जागरण

इस मौके पर मुख्यमंत्री ने वायु व ध्वनि प्रदूषण मुक्त इस सिंगल सीटर कार को हवाई अड्डों व रेलवे स्टेशनों पर इस्तेमाल के लिए आदर्श वाहन बताया।कार को तैयार करने वाले छात्रों की सात सदस्यीय टीम के सदस्य अभिषेक ने बताया कि इस कार में लगी बैटरी एक बार में एक सौ किमी तक चलती है। बैटरी को बिजली से रीचार्ज किया जा सकता है और इस तरह इस बैटरी से एक किमी का कुल खर्च लगभग तीस पैसे पड़ता है। यदि बैटरी सौ किमी तक चलने के बाद बीच रास्ते में बंद हो जाए, तो उसका विकल्प भी है। उस समय गाड़ी को पेट्रोल इंजन से चलाया जा सकता है। कालेज के मेकेनिकल इंजीनियरिंग के विभागाध्यक्ष प्रो. एस माजी के मुताबिक, इस गाड़ी को तैयार करने में लगभग एक वर्ष का समय लगा है।

कार को प्रतियोगिता में ले जाने के लिए प्रायोजक कंपनी महिंद्रा एंड महिंद्रा के अधिकारी विश्वानंद ने बताया कि कोशिश की जा रही है कि गाड़ी में बैटरी बदलने का विकल्प भी शामिल किया जा सके। दिल्ली कालेज ऑफ इंजीनियरिंग (डीसीई) के प्राचार्य प्रो. पीबी शर्मा के मुताबिक, पेट्रोल और बैटरी से चलने वाली यह कार देश में अपनी तरह की पहली कार है। उन्होंने बताया कि कार को किफायती बनाने के लिए भी हम प्रयासरत हैं और हमारा लक्ष्य इसे दो सीटर बनाते हुए एक लाख रुपये की कीमत पर उपलब्ध कराने का है। हालांकि, इस कार को तैयार करने में छह लाख रुपये लागत आई है।